

SARDAR SUKHDEV SINGH DHINDSA

Sardar Sukhdev Singh Dhindsa is a member of Rajya Sabha from the State of Punjab. His political carrier has been very simple. He has remained dedicated to the service of the society throughout his carrier. He has served Punjab, Punjabi and Panjabiat to the fullest.

2. Born on April 9, 1936 in village Ubhwal, District, Sangrur in the house of an ordinary farmer, Shri Dhindsa lost his mother when he was only 2 years. He received his initial education in Village Badrukhan and received his Bachelor of Arts Degree from Govt. Ranbir College Sangrur.

3. Shri Dhindsa started his political carrier as President of the Student Union of Govt. Ranbir College, Sangrur. Thereafter, he rose to become Sarpanch of his native village Ubhawal, Member of Block Samiti, Chairman of Market Committee, MD of Central Cooperative Bank, Sangrur and held higher posts in various trusts, Educational & Sports Organizations.

4. Shri Dhindsa actively participated in movement for reform of Gurudwaras, He also participated in Dharmyudh marches and fought against emergency imposed in the Country. He underwent imprisonment of about two years during his fight for justice. He remained MLA during 1972 (Dhanaula), 1977 (Sunam), 1980 (Sangrur) & 1985 (Sunam). Besides being a Minister of State (Independent Charge) (1977-1980) in the state of Punjab, he also served as Chairman (Cabinet Minister rank), Punjab State Electricity Board (1997 to 1998) and Chairman of Punjab Planning Board.

5. Shri Dhindsa was elected as Member of Parliament during 1998 (Rajya Sabha), 2004 (Lok Sabha), 2010 (Rajya Sabha) and 2016 (Rajya Sabha). Sh. Dhindsa remained Member, Consultative Committee for the Ministry of Communications (1998-99), Union Minister of Urban Employment and Poverty Alleviation (1999), Union Minister of Urban Employment and Poverty Alleviation with Additional Charge of Ministry of Sports and Youth Affairs (2000), Union Minister of Sports and Youth Affairs with additional charge of Mines (2000), Union Minister of Chemicals and Fertilizers (2000-2004).

6. Shri Dhindsa throughout his carrier has remained with the Shiromani Akali Dal and the Secretary General of the Party from 1992 to 2018. He adopted Gulhari Village, District Sangrur under the Saansad Adarsh Gram Yojana, launched by Prime Minister Narender Modiji in 2014. The adopted village was ranked first in the State and fourth in the Country. He has remained dedicated to education and the development of sports in the State and the Country. He is currently President of Punjab Boxing Association and President, Punjab Olympic Association, Chandigarh. He was also President Cycling Federation of India, New Delhi, Chairman, Games and Sports Development Commission, Indian Olympic Association, New Delhi, Executive Member, Asian Cycling Confederation, Chairman Commonwealth Games Village Committee, 2010, Member, Organizing Committee, Commonwealth Games-2010, Member Executive Council, Indian Olympic Association.

7. Shri Dhindsa has remained President of the Sant Attar Singh Trust Mastauna Sahib, Sangrur since 1994. The Trust runs 10 educational/sports institutions imparting education to about 6500 students annually. He is also the President of Shri Guru Teg Bahadur College, Bhawanigarh (a degree college) for the last ten years.

सरदार सुखदेव सिंह ढींढसा



सरदार सुखदेव सिंह ढींढसा पंजाब राज्य से राज्य सभा के सदस्य हैं। आपका राजनीतिक जीवन बहुत ही सरल एवं साधारण रहा है। आप अपने पूरे जीवनकाल में समाज की सेवा के लिए समर्पित रहे हैं। आप पंजाब, पंजाबी और पंजाबी संस्कृति की सेवा के प्रति पूरी तरह से समर्पित रहे हैं।

2. आपका जन्म संगरूर जिले के उभवल गांव में दिनांक 9 अप्रैल, 1936 को एक साधारण किसान परिवार में हुआ था। जब आपकी अवस्था केवल 2 वर्ष की थी तभी आपकी माताजी का देहांत हो गया था। आपने अपनी प्रारंभिक शिक्षा बद्रूखान गांव में प्राप्त की और राजकीय रणबीर कॉलेज, संगरूर से कला स्नातक की डिग्री प्राप्त की।

3. श्री सिंह ढींढसा ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत राजकीय रणबीर कॉलेज, संगरूर के छात्रसंघ के अध्यक्ष के रूप में शुरु की। तत्पश्चात्, आप अपने पैतृक गांव उभवल के सरपंच, ब्लॉक समिति के सदस्य, मार्किट समिति के अध्यक्ष, केन्द्रीय सहकारी बैंक, संगरूर के प्रबंध निदेशक बने और विभिन्न ट्रस्टों, शैक्षिणक एवं खेल संगठनों के उच्च पदों को भी सुशोभित किया।

4. आपने गुरुद्वारों के सुधार के लिए चलाए जा रहे आंदोलन में सक्रिय रूप भाग लिया। आपने धर्मयुद्ध मार्च में भी भाग लिया और देश में लगाए आपातकाल के विरूद्ध संघर्ष किया। न्याय के लिए अपनी लड़ाई के दौरान, आपको लगभग 2 वर्षों के लिए कारागार में डाल दिया गया। आप वर्ष 1972 (धनौला), 1977 (सुनाम), 1980 (संगरूर) और 1985 (सुनाम) के दौरान विधायक रहें हैं। पंजाब राज्य में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) होने के अतिरिक्त, आपने पंजाब राज्य विद्युत बोर्ड के चैयरमैन (1997-1998) (कैबिनेट मंत्री रैंक) और पंजाब योजना बोर्ड के चैयरमैन के रूप में भी अपनी सेवाएं दी हैं।

5. वर्ष 1998 (राज्य सभा), 2004 (लोक सभा), 2010 (राज्य सभा) और 2016 (राज्य सभा) के दौरान संसद सदस्य के रूप में आपका चयन किया गया। आप संचार मंत्रालय की परामर्शदात्री समिति (1998-99) के सदस्य, शहरी रोजगार एवं गरीबी प्रशमन मंत्रालय (1999) में केंद्रीय मंत्री, खेल एवं युवा कार्य मंत्रालय के अतिरिक्त प्रभार के साथ शहरी रोजगार एवं गरीबी प्रशमन मंत्रालय में केंद्रीय मंत्री (2000), खान मंत्रालय के अतिरिक्त प्रभार के साथ खेल एवं युवा कार्य मंत्रालय में केंद्रीय मंत्री (2000) और रसायन एवं उर्वरक केंद्रीय मंत्री (2000-04) रहे हैं।

6. श्री ढींढसा अपने जीवनकाल में शिरोमणि अकाली दल के साथ ही रहे हैं और 1992 से 2018 तक पार्टी के महासचिव भी रहे हैं। आपने माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई सांसद आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत संगरूर जिला के गुलहरी गांव को वर्ष 2014 में गोद लिया था। आपके द्वारा गोद लिए गए गांव को राज्य में पहला और देश में चौथा रैंक मिला आप राज्य और देश में शिक्षा तथा खेलों के विकास के प्रति समर्पित रहे हैं। वर्तमान में आप पंजाब बॉक्सिंग ऐसोसिएशन के अध्यक्ष और पंजाब ओलम्पिक ऐसोसिएशन चंडीगढ़ के अध्यक्ष हैं। आप साईकिलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया, नई दिल्ली के अध्यक्ष, गेम्स एण्ड स्पोर्ट्स डेवलपमेंट कमीशन, इंडियन ओलम्पिक ऐसोसिएशन, नई दिल्ली के अध्यक्ष, ऐशियन साइकिलिंग कनफेडरेशन के कार्यपालक सदस्य, कॉमनवेल्थ गेम्स विलेज कमेटी, 2010 के अध्यक्ष, कॉमनवेल्थ गेम्स-2000 की ऑर्गनाइजिंग कमेटी के सदस्य, इंडियन ओलम्पिक ऐसोसिएशन की कार्यपालक समिति के सदस्य हैं।

7. आप वर्ष 1994 से संत अत्तर सिंह ट्रस्ट मस्तौना साहिब, संगरूर के अध्यक्ष रहे हैं यह ट्रस्ट 10 शैक्षणिक/खेल संस्थानों का संचालन करता है जो प्रति वर्ष लगभग 6500 छात्रों को शिक्षा प्रदान कर रहें हैं। आप विगत 10 वर्ष से श्री गुरू तेग बहादुर कॉलेज, भवानीगढ़ (डिग्री कॉलेज) के अध्यक्ष भी है।